विषय– हिन्दी | कक्षा– 4 | टर्म– 4

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक पाठ 15 कुरज री विनती | दिनांक .... से ....तक

शिक्षण आकलन योजना

समूह 1 के बच्चों के रोल नं0 | समूह 2 के बच्चों के

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :–

1. बालक पढकर आंनंद ले सकेगें। 2. नवीन शब्दों की जानकारी कर सकेगें। 3. प्रश्नों को समझकर समस्या का समाधान ढूँढ सकेगें। 4. संदर्भ के आगे व पीछे की बात को समझ सकेगें। 5. परिवेशीय सजगता के साथ संवेदनशीलता के भाव को विकसित करना।

सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियॉ	सतत आकलन योजना	समीक्षा एवं अनुभव
(सामूहिक ; उपसमूह एवं व्यक्तिगत)		(बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
सामूहिक कार्य– 1. सर्वप्रथम शिक्षक पाठ में दिए चित्रों पर बालकों से बातचीत करेगा। 2. अध्यापक चित्र के संदर्भ में कहानी बालकों को सुनाएगा। तथा अर्थ समझाएगा। 3. पाठ में आए ववीन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर अर्थ समझाएगा। 4. शिक्षक पाठ में आए मुहावरों की जानकारी देगा तथा वाक्य प्रयोग कर समझाना। 5. कहानी के सार की समझ हेतु बालकों से प्रश्न पूछना।कुरज ने गडरिए से क्या विनती की?	बालकों की मौखिक अभिव्यक्ति एवं सुनकर समझने का आकलन करना	साप्ताहिक ....से ....तक
उपसमूह कार्य– 1. उपसमूह में बालकों को कहानी पढनें का निर्देश देना। 2. कहानी की कुछ पंक्तियों को घटनाक्रम के अनुसार जमाना। 3. खेत के मालिक की जगह यदि आप होते तो क्या करते ? चर्चा कर लिखो।	परिवेशीय जानकारी के साथ संवेदनशीलता का आकलन दर्ज करना	
व्यक्तिगत कार्य– 1. प्रत्तेक बालक को कहानी पढनें का निर्देश देना। 2. प्रत्तेक बालक से कहानी के किसी खण्ड की बोलकर अनुलेख करवाना। 3. पाठ में दिए अभ्यास कार्य को करवाना।	जाँचना एवं टिप्पणी दर्ज करना	

www.rajteachers.com

<table>
<tr><td>समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :–</td><td rowspan="3">बालक की अपेक्षित प्रगति नोट करना</td><td>पाक्षिक
––––––से ––––––तक</td></tr>
<tr><td>1. कठिन शब्दों के अर्थ याद कर सुनाना जैसेः– निरीह–बेचारा; विवश–मजबूर आदि।
2. मुहावरों का प्रयोग कर वाक्य बनाना।
3. विराम चिह्नों का प्रयोग कर पुनः वाक्य लिखना। पृ0 सं0 83 से।</td><td rowspan="12"></td></tr>
<tr><td>समूह 2 के लिए उद्देश्य –
1. कहानी को पढनें के प्रति रूचि लेना।
2. स्वयं प्रश्नों के उत्तर लिखना।
3. नवीन शब्दों की जानकारी कर वाक्य निर्माण करना। 4. परिवेशीय जानकारी करना।</td></tr>
<tr><td>समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक ; उपसमूह ; व्यक्तिगत)</td><td></td></tr>
<tr><td>सामूहिक कार्य–</td><td rowspan="2">सुनकर समझनें का
आकलन दर्ज करना</td></tr>
<tr><td>1. बालकों से चित्रों का अवलोकन करवाकर मौखिक प्रश्न पूछना।
2. कहानी का सार बालकों को मौखिक सुनाना। पाठ में आए नवीन शब्दों की जानकारी देना।
3. बालकों को कठिन शब्दों का अर्थग्रहण करवाना। जैसेः– ठौड–जगह; समदाँ–सागर आदि।</td></tr>
<tr><td>उपसमूह में कार्य–</td><td rowspan="2">बालकों के उच्चारण को
एवं सृजनशीलता की
जाँच करना</td></tr>
<tr><td>1. उपसमूह में कहानी में आए कठिन शब्दों को छाँटकर लिखना एवं उच्चारण करवाना।
2. कहानी के किसी भाग को पढवाकर प्रश्नों के उत्तर करवाना।
3 कहानी में आए शब्दों के अर्थ याद कर आपस में सुनना।</td></tr>
<tr><td>व्यक्तिगत कार्य–</td><td rowspan="2">जाँचना एवं दर्ज करना</td></tr>
<tr><td>1. बालकों से व्यक्तिगत कहानी का सार संक्षिप्त में सुनना।
2. पाठ में आए एवं नवीन प्रश्नों के उत्तर करवाना।</td></tr>
<tr><td>पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि –</td><td colspan="2">संस्था प्रधान का अभिमत :–</td></tr>
<tr><td></td><td colspan="2"></td></tr>
</table>

www.rajteachers.com